

शीर्ष वरीयता
ईमेल degreeseva1@gmail.com

प्रेषक,

निदेशक,
उच्च शिक्षा उत्तराखण्ड,
हल्द्वानी (नैनीताल)।

सेवा में,

समस्त प्राचार्य,
राजकीय स्नातक/स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
उत्तराखण्ड।

पत्रांक: 2328/डिग्री सेवा-1/प्राचार्य निर्देश/2021-22

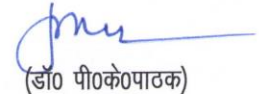
दिनांक: 27 अगस्त, 2021

विषय: अन्यत्र सेवा हेतु विभागीय अनापत्ति के क्रम में निर्धारित प्रारूप पर आवेदन करने के संबंध में।
महोदय,

प्रायः यह देखा जा रहा है कि महाविद्यालयों में कार्यरत प्राध्यापकों/कर्मचारियों द्वारा अन्यत्र सेवा में आवेदन किये जाने के क्रम में अनापत्ति की अनुमति हेतु निर्धारित प्रारूप पर आवेदन तथा नियमानुसार त्यागपत्र/धारणाधिकार की स्थिति के साथ प्राचार्य द्वारा स्पष्ट संस्तुति न दिए जाने के आलोक में आवेदनों पर नियमानुसार कार्यवाही किया जाना सम्भव नहीं हो पा रहा है।

अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि अन्यत्र सेवा हेतु विभागीय अनापत्ति के क्रम में आवेदन करने वाले प्राध्यापकों/कर्मचारियों का प्रत्यावेदन निर्धारित प्रारूप पर पूर्ण औपचारिकता के उपरान्त ही अग्रसारित करें। मात्र प्रार्थना-पत्र के माध्यम से अनापत्ति की अनुमति हेतु प्रत्यावेदन स्वीकार नहीं किया जायेगा। निदेशालय द्वारा अनुमोदित अन्यत्र सेवा हेतु अनापत्ति की अनुमति का निर्धारित प्रारूप संलग्न है।

भवदीय,



(डॉ० पी०के०पाठक)

प्रभारी निदेशक उच्च शिक्षा
उत्तराखण्ड हल्द्वानी (नैनीताल)

अन्यत्र सेवा हेतु आवेदन पत्र

1. अभ्यर्थी का नाम—
2. पदनाम—
3. जन्म तिथि—
4. राजकीय सेवा में प्रथम नियुक्ति की तिथि—
5. राजकीय सेवा में तदर्थ/नियमित अथवा चयनित—
6. स्थायी/अस्थायी—
7. विज्ञप्ति संख्या विज्ञप्ति निर्गत होने का दिनांक व अन्तिम तिथि—
8. विज्ञप्ति पद का पदनाम जिसके लिए आवेदन भेजा जा रहा है—
9. रिक्त पदों की कुल संख्या—
10. विज्ञापित पद की शैक्षिक योग्यता/वेतनमान—
11. किन-किन पदों हेतु विज्ञप्ति की गयी है—
12. आवेदन पत्र भेजे जाने का पता —
13. विज्ञापित पद का अनुभव—
14. पूर्व में आवेदित पदों का विवरण जिनके लिए आवेदन भेजा गया है—
15. क्या अभ्यर्थी ने चयन होने पर वर्तमान पद से त्याग पत्र देने का आश्वासन दिया है यदि नहीं तो विभाग में उसकी क्या स्थिति होगी—
16. अभ्यर्थी के चयन होने पर उसका विभाग में धारणाधिकार लियन क्या होगा स्पष्ट आख्या सहित
17. अन्य आवश्यक सूचना यदि कोई हो—

अभ्यर्थी के हस्ताक्षर.....

अनापत्ति प्रमाण पत्र देने के सम्बन्ध में प्राचार्य की स्पष्ट आख्या एवं संस्तुति

प्राचार्य के हस्ताक्षर एवं मुहर